मत घबराओ

अबदी मनज़िल की राह

mat ghabrāo. abadī manzil kī rāh

Do Not Be Troubled. The Way to Your Eternal Home

by Bakhtullah

[Ao, Khud Dekh Lo 27]

(Urdu—Hindi script)

© 2024 www.chashmamedia.org
published and printed by
Good Word, New Delhi

The title cover is derived from ljcor
https://pixabay.com/illustrations/heaven-stairs-to-heaven-sky-faith-2138568/.

Bible quotations are from UGV.

for enquiries or to request more copies:
askandanswer786@gmail.com

फ़हरिस्त

मत घबराओ : तुम्हारा अबदी घर है 1

मत घबराओ : मैं अबदी घर की राह हूँ 3

मत घबराओ : मेरा बाप तुम्हारा बाप भी है 4

मत घबराओ : तुम बड़े काम करोगे 6

इंजील, यूहन्ना 14:1-14 8

फ़सह की ईद थी। ईसा मसीह शागिर्दों को इसके लिए तैयार करने लगा कि थोड़ी देर बाद मैं तुम्हारी ख़ातिर अपनी जान दूँगा। शागिर्द उस वक़्त पूरी बात न समझ सके, लेकिन वह बेचैन होने लगे। थोड़ी देर पहले यों लग रहा था कि उस्ताद इसराईल का वह बादशाह बनेगा जिसके लिए सब तड़प रहे थे। अब इसके उलट हो रहा था। यह सवाल भी उठने लगा कि हमारा क्या बनेगा?

इस दुखी माहौल में ज़रूरी था कि शागिर्दों की हौसलाअफ़्ज़ाई की जाए। उनका आक़ा जानता था कि इस वक़्त वह सब कुछ समझ नहीं पाएँगे। लेकिन बाद में यह बातें उन्हें सही पटरी पर लाएँगी। पहली बात,

मत घबराओ : तुम्हारा अबदी घर है

उसने फ़रमाया,

> तुम्हारा दिल न घबराए। तुम अल्लाह पर ईमान रखते हो, मुझ पर भी ईमान रखो। मेरे बाप के घर में बेशुमार मकान हैं। अगर ऐसा न होता तो क्या मैं तुमको बताता कि मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने के लिए वहाँ जा

> रहा हूँ? और अगर मैं जाकर तुम्हारे लिए जगह तैयार करूँ तो वापस आकर तुमको अपने साथ ले जाऊँगा ताकि जहाँ मैं हूँ वहाँ तुम भी हो। और जहाँ मैं जा रहा हूँ उसकी राह तुम जानते हो।
> (यूहन्ना 14:1-4)

► **शागिर्द किस पर ईमान रखते हैं?**

ख़ुदा पर।

► **अगर वह ख़ुदा पर ईमान रखते हैं तो उनको किस पर ईमान रखना चाहिए?**

उनको ईसा मसीह पर भी ईमान रखना चाहिए।

► **क्यों?**

क्योंकि वह ख़ुदा बाप का फ़रज़ंद है जो उसके पास जाकर उनके लिए जगह तैयार करेगा।

► **ख़ुदा के घर में क्या है?**

ख़ुदा के घर के बहुत-से मकान हैं।

► **हमारे लिए यह क्यों ख़ुशख़बरी है?**

यह ख़ुशख़बरी इसलिए है कि ख़ुदा के घरवालों के लिए मकान तैयार हैं। घबराने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि उसके पास हमारा अबदी घर तैयार है।

► **लेकिन हम किस तरह उसके घरवाले बन सकते हैं?**

ईसा मसीह पर ईमान रखने से। उसी ने अपने लोगों के लिए जगह तैयार कर ली है।

► **वह क्यों अपने लोगों के लिए जगह तैयार करने जा रहा था?**

ताकि जहाँ वह है हम भी हों।

► **लेकिन हम वहाँ किस तरह पहुँच सकते हैं?**

एक ख़ास राह से। ईसा मसीह ने फ़रमाया, "जहाँ मैं जा रहा हूँ उसकी राह तुम जानते हो।"

तोमा शागिर्द झट से बोल उठा, "ख़ुदावंद, हमें मालूम नहीं कि आप कहाँ जा रहे हैं। तो फिर हम उसकी राह किस तरह जानें?"

जवाब में ईसा मसीह ने एक नया सबक़ सिखाया। यह कि

मत घबराओ : मैं अबदी घर की राह हूँ

उसने फ़रमाया,

> राह और हक़ और ज़िंदगी मैं हूँ। कोई मेरे वसीले के बग़ैर बाप के पास नहीं आ सकता। (यूहन्ना 14:6)

► **राह कौन है?**

राह ईसा मसीह है।

► **इससे वह क्या कहना चाहता है?**

अपनी सलीबी मौत से मैं न सिर्फ़ ख़ुदा बाप के पास जा रहा हूँ। इससे मैं तुम्हारे लिए ख़ुदा के घर तक पहुँचने की राह बना रहा हूँ। हाँ, मैं ही वह राह हूँ। ख़ुदा तक पहुँचानेवाली और कोई राह नहीं है।

► **ईसा मसीह राह है। लेकिन इसका क्या मतलब है कि वह हक़ है?**

हक़ का मतलब सच्चाई है। इसके पीछे यह ख़याल है कि जिस पर पूरा भरोसा किया जा सकता है वह सच्चा, वह हक़ है। जो चीज़ झूठी है उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। लेकिन ईसा मसीह पर पूरा भरोसा किया जा सकता है। उसमें उन्नीस-बीस का फ़रक़ भी नहीं है।

► **ईसा मसीह राह और हक़ है। तो इसका क्या मतलब है कि वह ज़िंदगी है?**

वह ज़िंदगी का सरचश्मा है। वह मौत पर ग़ालिब आया, इसलिए हम भी उससे ज़िंदगी हासिल कर सकते हैं।

घबराने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि वही ख़ुदा के घर पहुँचने का रास्ता है, उसी पर हम पूरा भरोसा रख सकते हैं, और उसी से हमें अबदी ज़िंदगी मिलती है। तीसरी बात,

मत घबराओ : मेरा बाप तुम्हारा बाप भी है

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> अगर तुमने मुझे जान लिया है तो इसका मतलब है कि तुम मेरे बाप को भी जान लोगे। और अब से ऐसा है भी। तुम उसे जानते हो और तुमने उसको देख लिया है। (यूहन्ना 14:7)

► **ईसा मसीह को जान लिया तो किस को जान लिया?**

उसे जान लिया तो बाप को भी जान लिया।

► **ईसा मसीह को जान लेने से हम ख़ुदा बाप को किस तरह जान लेते हैं?**

ईसा मसीह ख़ुदा बाप का फ़रज़ंद है। इसलिए जब हम मसीह को जानते हैं तो ख़ुदा बाप को भी जानते हैं। इसलिए ईसा मसीह कह सकता था कि तुम उसे जानते हो।

अब फ़िलिप्पुस से रहा न गया। उसने पूछा, "ऐ ख़ुदावंद, बाप को हमें दिखाएँ। बस यही हमारे लिए काफ़ी है।"

ईसा मसीह ने जवाब दिया,

> फ़िलिप्पुस, मैं इतनी देर से तुम्हारे साथ हूँ, क्या इसके बावुजूद तू मुझे नहीं जानता? जिसने मुझे देखा उसने बाप को देखा है। (यूहन्ना 14:9)

► **जवाब क्या है?**

जिसने ईसा मसीह को देखा उसने ख़ुदा बाप को देखा है।

► **यह किस तरह हो सकता है?**

इसकी वजह यह है कि ईसा मसीह ख़ुदा बाप का फ़रज़ंद है। इसलिए जो उसे देखता है वह ख़ुदा बाप को भी देखता है। यही इसका मतलब है जब उसने फ़रमाया कि मैं बाप में हूँ और बाप मुझमें है।

► **जब हम ख़ुदा बाप को जानते और देखते हैं तो हमारे लिए क्या नतीजा निकलता है?**

जब हम ईसा मसीह पर ईमान लाते हैं तो उसका बाप हमारा बाप भी बन जाता है। ईसा मसीह से हम न सिर्फ़ ख़ुदा के घरवाले बन जाते हैं बल्कि ख़ुदा हमारा बाप भी बन जाता है। इसलिए घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है। एक आख़िरी बात,

मत घबराओ : तुम बड़े काम करोगे

ईसा मसीह ने फ़रमाया,

> मेरी बात का यक़ीन करो कि मैं बाप में हूँ और बाप मुझमें है। या कम-अज़-कम उन कामों की बिना पर यक़ीन करो जो मैंने किए हैं। (यूहन्ना 14:11)

► **शागिर्दों को किसकी बात का यक़ीन करना चाहिए?**

अपने उस्ताद की बात का।

► **सबसे बड़ी वजह क्या थी कि उन्हें उसकी बात का यक़ीन करना चाहिए था?**

उन्होंने उसके मोजिज़े देखे, उसका कलाम सुना था।

► **उन्हें उसके कामों से क्यों यक़ीन आना चाहिए था?**

इसलिए कि उसके काम आम काम नहीं थे। मसीह का हर काम उसके बाप की तरफ़ इशारा करता था। जितने यह काम ईसा मसीह के थे उतने ही वह बाप के काम भी थे। क्योंकि ख़ुदा बाप और फ़रज़ंद में पूरी यगांगत है।

लेकिन ईसा मसीह ने आगे एक बात फ़रमाई जो हैरानकुन है :

> मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो मुझ पर ईमान रखे वह वही कुछ करेगा जो मैं करता हूँ। न सिर्फ़ यह बल्कि वह इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं बाप के पास जा रहा हूँ। (यूहन्ना 14:12)

► **हैरानकुन बात क्या है?**

यह कि ईसा मसीह के शागिर्द उसके काम करेंगे।

► **वह क्यों उसके काम करेंगे?**

इसलिए कि जो ईमान रखता है वह उसका घरवाला है। और घरवालों के लिए यह एक क़ुदरती बात है कि वह मिलकर वह काम करें जो उनका सरपरस्त चाहता है।

ईमानदार न सिर्फ़ ईसा मसीह के से काम करेंगे बल्कि इनसे बढ़कर काम भी करेंगे।

► **यह किस तरह हो सकता है?**

ईसा मसीह इसकी वजह बताता है : मैं बाप के पास जा रहा हूँ।

► **बाप के पास जाना क्यों इसकी वजह है?**

मसीह के जी उठने के बाद रूहुल-क़ुद्स नाज़िल होगा। इसी रूह की मदद से मसीह के शागिर्द बड़े काम करेंगे। लेकिन उनके यह काम उनकी अपनी ताक़त से किए नहीं जाएँगे। यह साफ़ बयान करने के लिए मसीह ने फ़रमाया,

> जो कुछ तुम मेरे नाम में माँगो मैं दूँगा ताकि बाप को फ़रज़ंद में जलाल मिल जाए। जो कुछ तुम मेरे नाम में मुझसे चाहो वह मैं करूँगा। (यूहन्ना 14:13-14)

► **यह काम किसके नाम में किए जाएँगे?**

यह काम मसीह के नाम में माँगने से किए जाएँगे।

ग़रज़, घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है। हमारा अबदी घर है, और हमें वहाँ पहुँचने की राह भी हासिल है यानी ईसा मसीह। घबराने की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि मसीह का बाप हमारा बाप भी बन गया है। घरवालों की हैसियत से हम मसीह के नाम में बड़े काम करेंगे।

► **क्या आप भी मसीह के नाम में बड़े काम करने के लिए तैयार हैं?**

इंजील, यूहन्ना 14:1-14

“तुम्हारा दिल न घबराए। तुम अल्लाह पर ईमान रखते हो, मुझ पर भी ईमान रखो। मेरे बाप के घर में बेशुमार मकान हैं। अगर ऐसा न होता तो क्या मैं तुमको बताता कि मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने के लिए वहाँ जा रहा हूँ? और अगर मैं जाकर तुम्हारे लिए जगह तैयार करूँ तो वापस आकर तुमको अपने साथ ले जाऊँगा ताकि जहाँ मैं हूँ वहाँ तुम भी हो। और जहाँ मैं जा रहा हूँ उसकी राह तुम जानते हो।”

तोमा बोल उठा, “ख़ुदावंद, हमें मालूम नहीं कि आप कहाँ जा रहे हैं। तो फिर हम उसकी राह किस तरह जानें?”

ईसा ने जवाब दिया, “राह और हक़ और ज़िंदगी मैं हूँ। कोई मेरे वसीले के बग़ैर बाप के पास नहीं आ सकता। अगर तुमने मुझे जान लिया है तो इसका मतलब है कि तुम मेरे बाप को भी जान लोगे। और अब से ऐसा है भी। तुम उसे जानते हो और तुमने उसको देख लिया है।”

फ़िलिप्पुस ने कहा, “ऐ ख़ुदावंद, बाप को हमें दिखाएँ। बस यही हमारे लिए काफ़ी है।”

ईसा ने जवाब दिया, “फ़िलिप्पुस, मैं इतनी देर से तुम्हारे साथ हूँ, क्या इसके बावुजूद तू मुझे नहीं जानता? जिसने मुझे देखा

उसने बाप को देखा है। तो फिर तू क्योंकर कहता है, ‘बाप को हमें दिखाएँ’? क्या तू ईमान नहीं रखता कि मैं बाप में हूँ और बाप मुझमें है? जो बातें मैं तुमको बताता हूँ वह मेरी नहीं बल्कि मुझमें रहनेवाले बाप की तरफ़ से हैं। वही अपना काम कर रहा है। मेरी बात का यक़ीन करो कि मैं बाप में हूँ और बाप मुझमें है। या कम-अज़-कम उन कामों की बिना पर यक़ीन करो जो मैंने किए हैं। मैं तुमको सच बताता हूँ कि जो मुझ पर ईमान रखे वह वही कुछ करेगा जो मैं करता हूँ। न सिर्फ़ यह बल्कि वह इनसे भी बड़े काम करेगा, क्योंकि मैं बाप के पास जा रहा हूँ। और जो कुछ तुम मेरे नाम में माँगो मैं दूँगा ताकि बाप को फ़रज़ंद में जलाल मिल जाए। जो कुछ तुम मेरे नाम में मुझसे चाहो वह मैं करूँगा।